

एआई से ऐप बनाने पर सेमिनार

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा क्लाउडमी डिजिटल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 'एआई की सहायता से मोबाइल ऐप निर्माण' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से मोबाइल एप्लिकेशन बनाने की तकनीकों और उनके उपयोगों से परिचित कराना था।

वाणिज्य विभाग में 'समागम' का भव्य आयोजन

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के वाणिज्य विभाग द्वारा कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में गुरुवार को 'समागम' 2026 के अंतर्गत 'बिर्योन्ड द बैलेंस शीट' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, खेलकूद, काव्य-पाठ और रैप वॉक सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

है। ऐसे में विद्यार्थियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण होगा। इसे देखते हुए यह बदलाव किया गया है। (ब्यूरो)

एआई से ऐप बनाने का दिया प्रशिक्षण

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में एआई से मोबाइल ऐप निर्माण पर एक दिवसीय सेमिनार हुआ। इसमें विद्यार्थियों को एआई, वाइब कोडिंग और आधुनिक सॉफ्टवेयर तकनीकों से ऐप बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। विभागाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण व प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सुमन कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में क्लाउडमी डिजिटल टेक्नोलॉजी कंपनी की ओर से विद्यार्थियों का तकनीकी असेसमेंट भी किया गया। प्रदर्शन के आधार पर कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के तीन विद्यार्थियों का कंपनी में निशुल्क इंटरशिप के लिए चयन हुआ। कार्यक्रम का समन्वय सहायक आचार्य अमन मिश्रा और अंकिता अग्रवाल ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

एआई से ऐप बनाने का दिया प्रशिक्षण

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में एआई से मोबाइल ऐप निर्माण पर एक दिवसीय सेमिनार हुआ। इसमें विद्यार्थियों को एआई, वाइब कोडिंग और आधुनिक सॉफ्टवेयर तकनीकों से ऐप बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। विभागाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण व प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सुमन कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में क्लाउडमी डिजिटल टेक्नोलॉजी कंपनी की ओर से विद्यार्थियों का तकनीकी असेसमेंट भी किया गया। प्रदर्शन के आधार पर कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के तीन विद्यार्थियों का कंपनी में निशुल्क इंटरशिप के लिए चयन हुआ। कार्यक्रम का समन्वय सहायक आचार्य अमन मिश्रा और अंकिता अग्रवाल ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

जेनरेटिव एआई पर व्याख्यान आयोजित

- भाषा विवि में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल की सीख
- एआई से डेटा विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया होगी प्रभावी



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'GEN AI Powered Data Analytics: The Career Catalyst' विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन कुलपति प्रो अजय तनेजा के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ मजहर खालिक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स वर्तमान समय की महत्वपूर्ण तकनीकें हैं, जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन ला रही हैं। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे पारंपरिक

ज्ञान के साथ आधुनिक तकनीकी कौशल भी विकसित करें, ताकि बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को विद्यार्थियों में नवाचार, तार्किक चिंतन और व्यावहारिक समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. रज़ा अब्बास हैदरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जनरेटिव एआई और डेटा एनालिटिक्स का समन्वय कार्यप्रणालियों को अधिक प्रभावी बनाने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी सृजित कर रहा है। विद्यार्थियों को इन तकनीकों की कार्यप्रणाली समझने के साथ-साथ उनके व्यावहारिक उपयोग,

विश्लेषणात्मक सोच और समस्या-समाधान संबंधी कौशल पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में सहायता करते हैं। व्याख्यान के दौरान डेटा विश्लेषण, कार्यों के ऑटोमेशन, डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण तथा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती उपयोगिता पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को इन तकनीकों के व्यावहारिक महत्व और बदलते तकनीकी परिदृश्य में उनकी भूमिका से अवगत कराया गया।